बाल वाटिका

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को वर्ष 2020 में लागू किया गया है जिसके तहत विद्यालय शिक्षा को चार चरणों में बांटा गया है । इसके प्रारंभिक चरण के तहत बाल वाटिका कार्यक्रम को कक्षा 1 से पूर्व तीन वर्षीय कोर्स के रूप में डिजाइन किया गया है जिसमें मनोरंजक कक्षाओं द्वारा सिखाने के माध्यम से उन में संज्ञानात्मक , भावात्मक और मनोप्रेरक क्षमताओं को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है 1

पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय कठुआ में गत सत्र 2023 – 24 में नई शिक्षा नीति के तहत बाल वाटिका कार्यक्रम शुरू कर दिया गया है 1 नए प्रावधानों के अनुसार आयु 3 से 8 साल तक के बच्चों के लिए आधारभूत चरण के अंतर्गत तीन से पांच वर्ष के बच्चों के लिए बालवाटिका कार्यक्रम की योजना तैयार की गई है तथा इसके साथ ही पहली तथा दूसरी कक्षा को भी विद्यालय शिक्षा का आधार माना गया है ।

फाउंडेशन स्टेज में बच्चों को ज्यादातर खेल और टॉय पद्धति के माध्यम से सिखाने का प्रयास किया जाता है । शिक्षण

का उद्देश्य मनोरंजन के साथ बच्चों के अंदर भाषा और संख्यात्मक कौशल विकसित करना है I

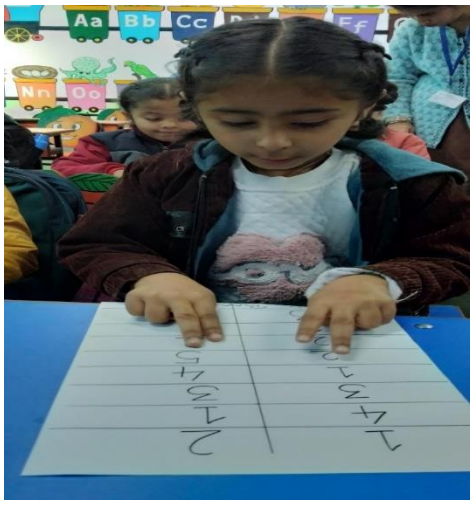
Aa
Bb
Cc
Nn
Oo

Cooking Without Fire

LAMP
CAR

four
five

Aa Bb Cc Dd Ee Ff Gg Hh Ii Jj Kk Ll
Rr Ss
Xx Yy Zz